दिनांक 16/03/2019 को अकादमिक निदेशालय में आहूत आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंन्द्र (सी0आई0क्यू0ए0) की प्रथम बैठक का कार्यवृत्त

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना जो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (सी0आई0क्यू0ए0) की स्थापना एवं उद्देश्य और कार्य के विर्निर्देशन से संबंधित है, के सम्बन्ध में सी0आई0क्यू0ए0 (सीका) हेतु विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति की प्रथम बैठक आहूत की गई। इस बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे-

1.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र	निदेशक, अकादमिक	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे	निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा	सदस्य
3.	डॉ0 मदन मोहन जोशी	समाज विज्ञान विद्याशाखा	सदस्य
4.	डॉ0 सुमित प्रसाद	प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा	सदस्य
5.	डॉ0 देवेश कुमार मिश्रा	मानविकी विद्याशाखा	सदस्य
6.	डॉ0 गगन सिंह	सहा0 निदेशक, अकादमिक	सदस्य
7.	हर्ष वर्धन लोहनी	अकादमिक निदेशालय	

(**नोट**: डॉ0 शालिनी सिंह, विज्ञान विद्याशाखा अभिविन्यास कार्यक्रम में सम्मिलित होने के कारण बैठक में उपस्थित नहीं हो सकीं।

बैठक की अध्यक्षता प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, अकादमिक द्वारा की गई। बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए-

1. विभागों के कार्यदायित्व का वितरण-

सम्यक चर्चा के उपरान्त सर्व सम्मति से निम्नानुसार विभागों के कार्यदायित्वों का वितरण किया गया-

	विभाग/विद्याशाखा का नाम	कार्यदायित्व
1.	कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्यौगिकी से सम्बन्धित कार्य	डॉ0 सुमित प्रसाद
2.	विधि, व्यावसायिक अध्ययन तथा समाज विज्ञान विद्याशाखा	डॉ0 मदन मोहन जोशी
3.	शिक्षाशास्त्र, जनसंपर्क एवं पत्रकारिता तथा मानविकी विद्याशाखा	डॉ0 देवेश कुमार मिश्रा
4.	प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य, होटल एवं पर्यटन, तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	डॉ0 गगन सिंह एवं डॉ0 सुमित प्रसाद
5.	कृषि एवं विकास अध्ययन तथा विज्ञान विद्याशाखा	डॉ शालिनी सिंह

2. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र के क्रियाकलापों एवं उद्देश्यो को पूरा करने के लिए कार्य वितरण-

समिति द्वारा 'सीका' के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु एवं उसकी गुणवत्ता व निरंतर सुधार और उच्चशिक्षा के वे मुख्य बिन्दु जिनमें गुणवत्ता सुधार किया जाना होगा पर चर्चा के उपरान्त निम्नलिखित कार्यो के दायित्वों का आंबटन किया गया-

i. विश्वविद्यालय के स्तर पर गुणवत्ता के स्तर में वृद्धि करने के लिए वार्षिक योजनाएं तैयार करना और उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित करना। (**कार्यदायित्व:- डॉ देवेश मिश्रा**)

ii. गुणवत्ता से संबंधित संस्थागत प्रक्रियाओं के विषय में छात्रों, नियोक्ताओं और अन्य हितधारकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने की व्यवस्था करना। (**कार्यदायित्व:- डॉ मदन मोहन जोशी**)

iii. विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक क्रियाकलापों के लिए गुणवत्ता के मानकों अथवा मानदंडों को विकसित करना। (**कार्यदायित्व:- डॉ सुमित प्रसाद**)

iv. गुणवत्ता संबंधी विषयों पर कार्यशालाएं अथवा संगोष्ठियां आयोजित करना और ऐसे क्रियाकलापों की कार्यवाहियों के संबंध में विश्वविद्यालय के स्तर पर प्रचार करना ।(**कार्यदायित्व:- डॉ देवेश मिश्र**)

v. रोजगार के दृष्टिगत कार्यक्रमों को प्रासंगिक बनाने के लिए कार्यक्रमों के पुनर्गठन का सुझाव देना एंव प्रमुख क्षेत्रों में अभिनव पद्धतियों को विकसित और कार्यान्वित करना जिससे शिक्षार्थियों के लिए सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि की जा सके। (**कार्यदायित्व:- डॉ गगन सिंह एंव डॉ सुमित प्रसाद**)

vi. आवधिक प्रत्यायन और लेखापरीक्षा के माध्यम से गुणवत्ता उन्नयन पद्धतियों को सुनिश्चित करने के लिए उपायों को अपनाना। (**कार्यदायित्व:- डॉ गगन सिंह**)

vii. समग्र प्रणाली में गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रणाली आधारित शोध करना अथवा उसे प्रोत्साहित करना। (**कार्यदायित्व:- निदेशक, शोध एंव नवाचार**)

3. समिति द्वारा विचारोपरान्त यह भी निर्णय लिया गया कि, विश्वविद्यालय में परिनियमों के अन्तर्गत गठित समितियां जैसे, विद्या परिषद्, कार्य परिषद्, परीक्षा समिति, वित्त समिति के कार्यवृतों को पारदर्शिता बनाये रखने हेतु सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है। इस हेतु प्रत्येक परिषद्/ समिति के कार्यवृतों/निर्णयों की एक प्रति विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में संरक्षित की जाये तथा साथ ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट में भी इन कार्यवृतों/निर्णयों की प्रति प्रदर्शित की जाय।

4. समिति द्वारा बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय की अंतर-संगठन प्रक्रियाओं, शिक्षार्थी सहायता केन्द्रों मुक्त व् दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों आदि का विधिमान्यकरण तथा वार्षिक समीक्षा करने के लिए बाह्य विषय विशेषज्ञों अथवा एजेंसियों या संगठनों का भी आवश्यकतानुसार गठन किया जाय।

5. समिति द्वारा शिक्षार्थियों को उद्योग जगत का अनुभव दिलाने के लिए औद्योगिक-संस्थागत संपर्क और उद्योग-संस्था भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए देश व प्रदेश के प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थाओं के साथ विश्वविद्यालय के नवीन समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। समिति द्वारा यह तय किया गया कि विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों को उद्योग जगत का अनुभव दिलाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में आवश्यकतानुसार इन प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन भी किये जायेंगे।

6. समिति द्वारा सीका की आगामी बैठक दिनांक 18 अप्रैल, 2019 को आहूत किया जाना तय किया गया। साथ ही अध्यक्ष महोदय की अनुपस्थिति में अध्यक्ष का कार्य दायित्व प्रो. गिरिजा पाण्डे को दिये जाने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा अध्यक्ष महोदय का धन्यवाद देते हुए बैठक संपन्न हुई।

Pl. Circulate amongst all the members 26/3/19

01/04/19.